

# मानव

त्रैमासिक

वर्ष : ११

जुलाई-दिसम्बर १९८३

अंक : ३-४

इस अंक में

संस्कृति का सनातन स्वरूप, आधुनिकतावाद और हिंदू समाज का संकट	अवध किशोर शरण	११७
शास्त्र और समाज	बंछनाथ सरस्वती	१४१
राष्ट्रीय सामाजिक पुनर्निर्माण में धार्मिक पुनर्व्याख्या की भूमिका	हरिबल्ल वेदालंकार	१५७
धर्म-निरपेक्ष भारत में धर्म और जाति का स्थान	राम गोपाल	१६७
भारतीयता का अर्थ	बी० बी० जॉन	१७३
राष्ट्रीय एकता की समस्याएं	बी० एम० तारकुंडे	१७७
अनेकता में एकता की खोज	शिव नारायण रे	१८३
उप-राष्ट्रीय चुनौतियां	मोहन शाफिर	१८९
राष्ट्रीय एकीकरण और अस्मिता का प्रश्न	असगर अली इंजीनियर	१९९
राजनैतिक प्रणाली का संकट और उससे निकलने का रास्ता	बशीर उब्दीन अहमद	२०३
निर्धनता एवं विषमता	अन्नदेश शास्त्री	२०९
नियोजनबद्ध विकास का भारतीय प्रयोग	त्रिलोक सिंह पपीला	२१९